पंजाब केसरी 19-02-2026

जी.एम.एन. कॉलेज में हुई स्टोरी टैलिंग प्रतियोगिता

विद्यार्थियों को भाषा व साहित्यिक कौशल में प्रवीण बनाती हैं ऐसी प्रतियोगिताएं : डा. रोहित दत्त

अम्बाला, 18 फरवरी (बलराम): जी.एम.एन. कॉलेज, अम्बाला छावनी के पंजाबी विभाग द्वारा कॉलेज परिसर में हाल ही में स्टोरी टैलिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों की रचनात्मक अभिव्यक्ति, भाषा कौशल और आत्मविश्वास को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम में विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सामाजिक, नैतिक एवं प्रेरणादायक विषयों पर प्रभावशाली प्रस्तुतियां दीं। प्रतिभागियों की कहानी-वाचन शैली और भाव-प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया।

प्रतियोगिता के दौरान प्रस्तुति देते हुए प्रतिभागी। (चंदमोहन)

प्रतियोगिता के परिणामों में एम.कॉम प्रथम वर्ष के छात्र गौरव भारद्वाज ने प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बी.ए. द्वितीय वर्ष के छात्र कुलविंदर ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। जबकि बी.ए. तृतीय वर्ष की छात्रा सिमरन कौर ने तृतीय स्थान हासिल कर अपनी कहानी-वाचन शैली से सभी का मन मोह लिया। सभी विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार और प्रमाण-पत्र प्रदान कर मंच पर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य डा. रोहित दत्त ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों को न केवल भाषा और साहित्यिक कौशल में प्रवीण बनाती हैं, बल्कि उन्हें सामाजिक, नैतिक और सांस्कृतिक मूल्यों को समझने का अवसर भी प्रदान करती हैं। उन्होंने बताया कि ऐसे कार्यक्रम कॉलेज के शैक्षिक और सांस्कृतिक माहौल को समृद्ध करते हैं और विद्यार्थियों को आत्मविश्वासी, रचनात्मक और जागरूक नागरिक बनने में मदद करते हैं। डा. रोहित दत्त ने यह भी कहा कि स्टोरी टैलिंग जैसी प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों की सृजनात्मकता, अभिव्यक्ति क्षमता और सोचने-समझने की क्षमता को और अधिक निखारती हैं।

पंजाबी विभागाध्यक्ष रजविंदर कौर ने सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों के रचनात्मक कौशल, अभिव्यक्ति क्षमता और आत्मविश्वास को बढ़ावा देती हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी गतिविधियां विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास और सोचने-समझने की क्षमता को सशक्त बनाती हैं। साथ ही इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों में पंजाबी भाषा और सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति रुचि और जागरूकता पैदा करते हैं, जिससे वे अपने सामाजिक और शैक्षिक जीवन में बेहतर योगदान कर सकते हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि विभाग भविष्य में इस प्रकार की प्रतियोगिताएं नियमित रूप से आयोजित करता रहेगा।